महफ़िल में मौजूद है बाबा ऐसा लगता है भजन लिरिक्स

श्याम धणी का गुलशन,
महका महका लगता है,
महफ़िल में मौजूद है बाबा,
ऐसा लगता है।bd।

पहुँच ना सकता सेक ग़मों का,
मेरे दिल की बस्ती में,
सर पर मेरे आज भी साया,
तेरा लगता है,
मेहफ़िल में मौजूद है बाबा,
ऐसा लगता है।bd।

बेशक़ भूले जग वाले हमें,
हम ना तुमको भूलेंगे,
हर एक साँस पे बढ़ता तेरा,
कर्ज़ा लगता है,
मेहफ़िल में मौजूद है बाबा,
ऐसा लगता है।bd।

ज़र्रे ज़र्रे से अब मुझको,
खुशबू तेरी आती है,
पत्ता पत्ता याद में तेरी,
डूबा लगता है,
मेहफ़िल में मौजूद है बाबा,
ऐसा लगता है।bd।

छुप जाओ तुम जाके कहीं भी,
लेकिन पहचाने जाओगे,
चाँद से भी सुंदर जो चेहरा,
तेरा लगता है,
मेहफ़िल में मौजूद है बाबा,
ऐसा लगता है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ख्वाहिश है ये हम बच्चों की,
पूरी करना श्याम धणी,
नाज़ से एक दिन बोलो हमको,
तू बेटा लगता है,
मेहफ़िल में मौजूद है बाबा,
ऐसा लगता है।bd।

श्याम धणी का गुलशन,
महका महका लगता है,
महफ़िल में मौजूद है बाबा,
ऐसा लगता है।bd।

Singer – Raj Pareek Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com